

श्रीः
श्रीमते रामानुजाय नमः
श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

श्री रितीषण कृतं
॥ श्री आपदुद्धारण हनुमत्स्तोत्रम् ॥

This document has been prepared by

Sunder Kidāmbi

with the blessings of

श्री रङ्गरामानुज महादेशिकन्

His Holiness śrīmad āṇḍavan śrīraṅgam

श्रीः
श्रीमते रामानुजाय नमः
श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

॥ श्री आपदुद्धारण हनुमत्स्तोत्रम् ॥

अस्य श्रीआपदुद्धारणहनुमत्स्तोत्र महामन्त्रस्य।
रितीषण ऋषिः। आपदुद्धारणो हनुमान् देवता।
आपदुद्धारणहनुमत्प्रसादसिद्ध्यर्थे जपे रिनिर्योगः ॥

रामे करे रैरितीतं रहस्यं
शैलं परे शृङ्खलहारिर्दुःखम्।
दधानमच्छरियञ्जसूत्रं
भजे ज्वलकुण्डलमाङ्गनेयम् ॥ 1 ॥

सुपीतकौपीनमुदङ्गिताङ्गुलिं
समुज्वलमौङ्ग्यजिनोपरीतिनम्।
सकुण्डलं लम्बशिखासम्भृतं
तमाङ्गनेयं शरणं प्रपद्ये ॥ 2 ॥

आपन्नाखिललोकार्तिहारिणे श्रीहनुमते।
अकस्मादागतोत्पातनाशनाय नमोहस्त ते ॥ 3 ॥

सीतारियुक्तश्रीरामशोकदुःखभयापह।
तापत्रितयसंहारिन् आङ्गनेय नमोहस्त ते ॥ 4 ॥

आधिर्याधिमहामारि ग्रहपीडापहारिणे।
प्राणापहर्त्रे दैत्यानां रामप्राणाङ्गने नमः ॥ 5 ॥

संसारसागरारत कर्तव्यद्रोहचेतसाम्।
शरणागतमर्त्यानां शरणाय नमोहस्तते ॥ 6 ॥

রাজদ্বারি বিলদ্বারি প্রবেশে ভূতসঙ্কুলে।
গজসিংহমহার্যাঘ্রচোরভীষণকাননে ॥ 7 ॥

শরণায় শরণ্যায় রাতাত্মজ নমোহস্ত তে।
নমঃ প্লবঙ্গসৈন্যানাং প্রাণভূতাত্মনে নমঃ ॥ 8 ॥

রামেষ্টং করুণাপূর্ণং হনুমন্তং ভযাপযম্।
শক্রনাশকরং ভীমং সর্বাভীষ্টফলপ্রদম্ ॥ 9 ॥

প্রদোষে রা প্রভাতে রা যে স্মরন্ত্যঞ্জনাসুতম্।
অর্থসিদ্ধিং যশঃ কীর্তিং প্রাপ্নুরন্তি ন সংশয়ঃ ॥ 10 ॥

কারাগৃহে প্রযাগে চ সঙগ্রামে দেশরিপ্নরে।
যে স্মরন্তি হনুমন্তং তেষাং নাস্তি রিপত্তদা ॥ 11 ॥

রজ্জ্বেদেহায় কালান্নিরুদ্রাযামিততেজসে।
ব্রহ্মাস্ত্রস্তম্বনাযাস্মৈ নমঃ শ্রীরুদ্রমূর্তয়ে ॥ 12 ॥

জপ্ত্বা স্তোত্রমিদং মন্ত্রং প্রতিরারং পঠেন্নরঃ।
রাজস্থানে সভাস্থানে প্রাপ্তরাতে জপেদধ্বরম্ ॥ 13 ॥

রিভীষণকৃতং স্তোত্রং যঃ পঠেৎ প্রযতো নরঃ।
সর্বাপদ্ভ্যো রিমুচ্যেত নাত্র কার্যা রিচারণা ॥ 14 ॥

মর্কটেশ মহোৎসাহ সর্শোকরিনাশন।
শত্রূন্ সংহর মাং রক্ষ শ্রিয়ং দাসাংশ্চ দেহি মে ॥ 15 ॥

॥ ইতি শ্রী আপদুদ্ধারণ হনুমৎস্তোত্রং সমাপ্তম্ ॥